नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

ऊर्जा का भविष्य और भारत की हरित राह

रविवार को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस मनाया गया. यह केवल एक प्रतीकात्मक तारीख नहीं, बल्कि उस वैश्विक चेतना का प्रतीक है जो ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है. ऊर्जा आज सिर्फ रोशनी, ईंधन या मशीनों तक सीमित विषय नहीं रह गई है. यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से सीधा जुड़ा प्रश्न बन चुकी है.भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा का प्रश्न और भी अहम है.

एक ओर बढ़ती आबादी, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण से ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है, तो दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की चुनौती हमें पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए मजबूर कर रही है. ऐसे में भारत ने बीते एक दशक में वैकल्पिक और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में जो कदम उठाए हैं, वे न केवल साहसिक हैं बल्कि दूरदर्शी भी हैं. भारत ने सौर ऊर्जा को अपनी हरित रणनीति का केंद्र बनाया है. राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत देश ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसमें बड़ा हिस्सा सौर ऊर्जा का होगा. राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में विशाल सोलर पार्क स्थापित किए जा चुके हैं. छतों पर सोलर पैनल लगाने को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और आसान ऋण की व्यवस्था की गई है. इससे न केवल बिजली उत्पादन बढ़ा है, बल्कि आम नागरिक भी ऊर्जा उत्पादक बन रहा है.

तटीय राज्यों में पवन ऊर्जा भारत की दूसरी बड़ी ताकत बनकर उभरी है. तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र पवन ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी हैं. सरकार अब सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे भूमि और ग्रिड का बेहतर उपयोग हो सके. यह मॉडल भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए अधिक स्थिर और भरोसेमंद माना जा रहा है. भारत ने हाल ही में राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की है. इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा से हाइड्रोजन का उत्पादन कर उद्योग, परिवहन और निर्यात में नए अवसर पैदा करना है. यह कदम भारत को न केवल कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद करेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में नई पहचान भी देगा.

ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ भारत ने ऊर्जा दक्षता पर भी जोर दिया है. उजाला योजना के तहत करोड़ों एलईडी बल्बों का वितरण, स्टार रेटिंग प्रणाली और स्मार्ट ग्रिड की दिशा में कदम,ये सभी प्रयास ऊर्जा बचत को जन आंदोलन बनाने की कोशिश हैं. साथ ही, आत्मनिर्भर भारत के तहत सोलर मॉड्यूल और बैटरी निर्माण को बढ़ावा देकर आयात पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया जा रहा है. कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस हमें याद दिलाता है कि ऊर्जा केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का विषय है. भारत ने यह समझ लिया है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हो सकते हैं.

हरित ऊर्जा की दिशा में उठाए गए कदम बताते हैं कि भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी करने की सोच रहा है, बल्कि दुनिया को भी टिकाऊ भविष्य का रास्ता दिखाने को तैयार है.अब आवश्यकता है कि सरकार, उद्योग और नागरिक—तीनों मिलकर इस ऊर्जा परिवर्तन को जन-आंदोलन में बदलें. तभी ऊर्जा का भविष्य सचमुच सुरक्षित और उज्ज्वल बन सकेगा.

भारतीय छात्रों को रोकने के लिए गोल्ड कार्ड वीजा

नया गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम मुख्य रूप से उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों, निवेशकों और बड़े कारपोरेट योगदानकर्ताओं के लिए अमेरिका के दरवाजे खोलता है. ऐसे में भारत से हर साल लाखों छात्र अमेरिका जाने और अपनी जिंदगी का ड्रीम हासिल करने के लिए उत्सुक रहते हैं, उनका क्या होगा? यह नया ढांचा उनके लिए कोई जगह नहीं बनाता. यह नया गोल्ड कार्ड वीजा अमेरिका द्वारा लांच किया गया निवेश आधारित प्रवेश का जरिया है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य अमेरिका के लिए फंडिंग करना और पूंजी सम्पन्न प्रवासियों को अमेरिका में प्रवास के लिए आकर्षित करना है.

जो छात्र पढ़ाई, स्कॉलरशिप, एच-1 बी वीजा और इसके आगे ग्रीन कार्ड का सपना देखते हैं. ऐसे सपनों के लिए यह गोल्ड कार्ड वीजा सभी दरवाजे बंद करता है. इसके दायरे में शिक्षा या अपनी योग्यता के बल पर नौकरी हासिल करने की उदारता है ही नहीं. भारतीय छात्रों व प्रोफेशनल्स के पास 9 करोड़ रुपये वीजा खरीदने के लिए हों तो वह अमेरिका जाएं ही क्यों? भारतीय छात्र तो आमतौर पर अमेरिका जाते ही अपने आर्थिक सपनों को पूरा करने के लिए हैं. इससे पता चलता है कि अब अमेरिका को सिर्फ टैलेंट नहीं चाहिए, उसे टैलेंट के साथ आपकी पूंजी भी

चाहिए. इसलिए जो छात्र अमेरिका में पढ़कर वहीं नौकरी ढूंढ़ने और अपने सपनों का कैरियर तलाशने की ख्वाहिश रखते हैं, उनके लिए अमेरिका में प्रवेश बहुत मुश्किल होगा. क्या अमेरिका में भी कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए पहले से ही 9 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए तैयार होंगी, कतई नहीं? और हां, यह प्रति कर्मचारी 15 हजार से 20 हजार डॉलर की प्रोसेसिंग फीस और 18 से 20 लाख डॉलर की रकम के साथ है यानी कर्मचारियों के लिए कंपनियों को करीब 18 से 20 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे, साथ ही एक प्रतिशत वार्षिक मेंटेनेंस और पांच प्रतिशत ट्रांसफर फीस भी लागू होगी. ऐसे में भला कंपनियां इतनी बड़ी रकम क्यों खर्च करेंगी? भारतीय आईटी/टेक प्रोफेशनल्स पर इसका व्यापक

असर होगा. क्योंकि हमारे अधिकांश पेशेवर एच-1 बी वीजा के माध्यम से अमेरिका जाते हैं. जबकि गोल्ड कार्ड वीजा इससे बिल्कुल अलग श्रेणी का है. इसमें किसी तरह की नौकरी का कोई ऑफर नहीं है बल्कि यह एक तरीके से अमेरिका में रहने के लिए निवेश की शर्त है. इसलिए एक सामान्य सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डॉक्टर, शोधकर्ता या मैनेजर आखिर कहां इतने पैसे खर्च करके अमेरिका में रहने का सपना देख सकता है. हां, यह उच्च कमाई वाले स्टार्टअप फाउंडर या निवेशकों के लिए है और वही इसका लाभ ले सकते हैं. भारत में कई लोग हैं, जो इस वीजा का फायदा उठा सकते हैं. इनमें सबसे पहले भारतीय मूल के उद्योगपति हैं, जो अमेरिका में अपना विस्तार चाहते हैं. अब उनके लिए ऐसा करना आसान हो जायेगा. इसी तरह भारतीय स्टार्टअप फाउंडर जिनके पास डॉलर स्तर की फंडिंग है, वो भी अब आसानी से अमेरिका जा सकेंगे. अमेरिका ने इस कार्ड से एक साथ दो शिकार किए हैं. एक तो गरीब मगर महत्वाकांक्षी भारतीय छात्र और प्रोफेशनल्स अमेरिका के सपने नहीं देख सकेंगे, साथ ही उसके जरिये वे एशिया के पैसे वाले लोगों को अपने यहां आकर्षित कर सकेंगे.

ट्रंप की मनमानी की एक और मिसाल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए एक के बाद एक मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं, अब उन्होंने अमेरिका में एंट्री के लिए 10 लाख डॉलर (लगभग 9 करोड़ रुपये) का गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम लांच किया है. बड़ी मासूमियत से उन्होंने भारतीय छात्रों के प्रति हमदर्दी जताते हुए कहा, 'भारतीय छात्रों को अमेरिका में पढ़ाई पूरी होते ही वापस लौटना पड़ता है, यह शर्मनाक है. हम चाहते हैं कि कंपनियां उन्हें गोल्ड कार्ड खरीदकर अपने यहां नौकरी पर रख सकती हैं.' गौरतलब है कि ट्रंप ने यह टिप्पणी तब की है, जब बड़े पैमाने पर भारत में एच-1 बी वीजा के हजारों आवेदकों के इंटरव्यू कई महीनों के लिए टाल दिए गए हैं.

✍ लोकमित्र गौतम

विंध्य की डायरी

भाई की करतूत बहन के राजनैतिक भविष्य के लिए संकट!

डॉ. रवि तिवारी

विंध्य की राजनीति में युवा नेताओं का भविष्य हमेशा किसी न किसी ऐसी उलझन का शिकार हो जाता है कि वे फिर कभी उबर नहीं पाते.कुछ इसी प्रकार की उलझन का शिकार राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी का भविष्य फिलहाल नजर आ रहा है. इस बार किसी विवाद में उनका सीधा सम्बन्ध नहीं है. जीजा साले के गठजोड़ में पुलिस की कार्यवाई युवा नेत्री के गले की हड्डी बन गयी है. इस पूरे घटनाक्रम में अपना राजनैतिक फायदा

खोज रहे नेताओं की सक्रियता कई बार यह सोचने के लिए मजबूर कर देती है कि कहीं यह पूरा घटनाक्रम किसी साजिश का हिस्सा तो नही है ! हालांकि सतना में गांजे के कारोबार की कहानी पुरानी है. वर्षों से चल रहे इस कारोबार की कड़ी कभी टूट नहीं पायी. अलबत्ता कई तेज तर्रार पुलिस के अफसरों को इसका दंश झेलने के लिए विवश होना पड़ा है. कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि इस बार भी गांजा की गाज किसी पर तो गिरेगी चाहे समय जितना लग जाए.फिलहाल राज्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जो दावे सामने आ रहे हैं. उसमें कुछ का मानना है कि अनुशासन की तलवार चल सकती है. पर कुछ यह मानते हैं कि बड़ा दलित चेहरा खोज रही पार्टी कोई बड़ा निर्णय नहीं लेगी.आने वाला समय सब कुछ स्पष्ट कर देगा.

....जब जाम में फंसे साहब

रीवा की सड़क अतिक्रमण की चपेट में है . हर तरफ जाम का माहौल है पर जब साहब खुद जाम में गए तो उन्हे अतिक्रमण की याद आई और फिर आनन-फानन बगैर समय गंवाये अतिक्रमण उड़नदस्ता दल भेज दिया पूरी तैयारी के साथ . दल भी साहब का हुक्म पाते ही मौके पर पहुंच गया . अब बारी थी सीधे कारवाई की तभी अचानक फोन की घंटी बजी और उड़नदस्ता दल के कदम थम गए . बगैर कारवाई के बैरंग लौटना पडा . इसमे नगर-निगम की किरकिरी जरूर हुई . दरअसल नगर-निगम रीवा के आयुक्त जाम में फंस गए थे तब उनको अतिक्रमण की याद आ गई . सड़क मार्ग में शहर के अंदर चारो तरफ अस्थाई अतिक्रमण है . दुकान सड़क तक फैली हुई है . परिणाम स्वरूप जाम लगता है लेकिन किसी को दिखाई नही देता . पर जब खुद जाम में फंसते है तो फिर याद आती है . बहरहाल रीवा की जनता-जनार्दन को जाम में फंसने की अब आदत सी हो गई है या फिर यह कहे की कोई सुनने वाला नहीं है किसके सामने गुहार लगाये.

प्रभारी मंत्री ने डीन को लगाई फटकार

रीवा के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल डॉ. मोहन यादव सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर उपलब्धियों की जानकारी देने के लिए मिडिया से मिल रहे थे . इसमें सभी विभागों से डाटा मांगे गए थे . स्वास्थ्य सुविधाओं की भी जानकारी प्रभारी मंत्री ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के डीन से मांगी थी . लेकिन डीन समय पर डाटा उपलब्ध नहीं करा पाए . जब डीन डॉ सुनील अग्रवाल डाटा लेकर प्रभारी मंत्री के पास पहुंचे तो वह लेट लतीफी पर बिफर गए . उन्होंने डीन की जानकारी लेने से ही इंकार कर दिया और कहा कि रहने दीजिए यह जानकारी अब किसी काम की नहीं .....एक जानकारी लाने में आपको इतना समय लगता है.....प्रभारी मंत्री की फटकार के बाद डीन आगे पीछे ही मंडराते रहे लेकिनउन्हें सफाई देने का अवसर नहीं मिला. डीन डॉ सुनील अग्रवाल की इस लेटलतीफी ने फिर से मेडिकल कॉलेज की किरकिरी करा दी . दो सालों की उपलब्धियों में रीवा प्रभारी मंत्री ने मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी कार्डियोलॉजी विभाग का जिक्र किया था पर समय पर डाटा नहीं मिला .

तेंदुए के बढ़ते आतंक से कैसे निपटें

चिंता का विषय है कि महाराष्ट्र के पुणे, अहिल्यानगर, नाशिक जिलों के ग्रामीण व शहरी इलाकों में तेंदुए घुसने और हमला करने लगे हैं. 250 से अधिक लोगों व 17,000 पालतू मवेशियों की तेंदुओं ने जान ले ली. नागपुर में भी एक घर में तेंदुआ आ धमका और उसने कई लोगों को घायल कर दिया. विधानमंडल सत्र में एक सदस्य ने तेंदुए के आतंक का मुद्दा उठाया. डर इतना फैल गया है कि किसान दिन में भी खेत की ओर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते. जंगल की बजाय गन्नों के खेत में तेंदुए छुपकर रहते हैं. कई जगह तेंदुए बच्चे को मां के सामने से उठा ले गए या वहीं मार दिया. इस मुद्दे पर वनमंत्री ने कोई ठोस दीर्घकालीन उपाय बताने की बजाय कह दिया कि तेंदुए इंसान पर हमला न करें, इसके लिए प्रभावित क्षेत्रों में 1 करोड़ रुपए के बकरे-बकरियां छोड़ दी जाएंगी. इंसानों की बस्ती में इस हिंसक वन्यजीव का घुसना एक गंभीर समस्या है जिससे दहशत फैल गई है. इसके लिए सरकार कोई विशेषज्ञ समिति बनाकर उसकी राय जाने और उपयुक्त कदम उठाए. तेंदुओं की तादाद बढ़ रही है. हर 2 वर्ष में उनका प्रजनन होता है और 3 से 4 शावक जन्म लेते हैं. गांव से लगे गन्ने के खेतों में इन्होंने डेरा डाल रखा है.

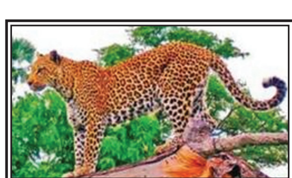

तेंदुओं को पकड़ने, नसबंदी करने और रेस्क्यु सेंटर बनाने की आवश्यकता है लेकिन इसके लिए वन विभाग को पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराना होगा.

इन्हें मारना, शिकार करना वन्य प्राणी सुरक्षा कानून का उल्लंघन है. तेंदुए को संरक्षित प्राणी का दर्जा मिला हुआ है. जब तेंदुए इंसानों पर हमला करने लगें तो उन्हें संरक्षण क्यों दिया जाए? इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिक व पर्यावरणीय दृष्टिकोण आवश्यक है. जंगल घटने और बस्तियों का विस्तार होने से यह संकट उत्पन्न हुआ है. राज्य सरकार ने इस मामले में केंद्र को सूचित किया है जो तेंदुए को वन्य प्राणी संरक्षण कानून की अनुसूची 1 से हटाकर अनुसूची 2 में डाल सकती है. तेंदुओं को पकड़ने, नसबंदी करने और रेस्क्यु सेंटर बनाने की आवश्यकता है लेकिन इसके लिए वन विभाग को पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

नाराजगी जताने का कैसा फंडा उद्धव ने शाह को कहा एनाकोंडा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, सत्ता से दूर रहने की कसमसाहट जब बढ़ जाती है तो नेता तिलमिला उठते हैं. पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वह एनाकोंडा जैसा बर्ताव कर रहे हैं. उन्होंने महाराष्ट्र को जकड़ रखा है और उसे खास तौर पर मुंबई को निगलने की कोशिश कर रहे हैं. उद्धव के इस बयान पर आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'पहले तो सामान्यजनों को समझना होगा कि एनाकोंडा क्या है और कहां पाया जाता है. यह दक्षिण अमेरिका में पाया जानेवाला बहुत मोटा और लंबा सर्प होता है. उसका रंग हरा, लंबाई 14 फुट से ज्यादा और वजन 300 पौंड होता है. ब्राजील में अमेजान नदी के आसपास के दलदली घास के मैदानों में यह पाया जाता है. यह जहरीला नहीं होता लेकिन अपने शिकार को बुरी तरह जकड़कर मार डालता है और फिर निगल जाता है. भारत के मैसूर और कोलकाता के अलीपुर चिड़िया घर में इसे 60 रखा गया है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, सांप-बिच्छू को लेकर तो छत्तीसगढ़ सरकार भी चिंतित है. वहां सरकारी स्कूल के शिक्षकों को आदेश दिया गया है कि उन्हें सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीव-जंतुओं को स्कूल परिसर में आने से रोकना होगा. ऐसी हालत में शिक्षक को सपेरा या सर्पमित्र बनने की ट्रेनिंग लेनी होगी. बच्चों को पढ़ाते-पढ़ाते सांप-बिच्छू भी पकड़ता रहेगा. उसका प्रमोशन इस बात पर निर्भर रहेगा कि कितने सांप पकड़े.'

हमने कहा, 'आप महाराष्ट्र की बात करते-करते पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ की ओर चले गए. उद्धव की दृष्टि में अमित शाह एनाकोंडा हैं. उन्हें शक है कि केंद्र सरकार कहीं मुंबई को न निगल जाए जो कि भारत का सर्वाधिक संपन्न शहर है और देश की आर्थिक राजधानी कहलाता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यदि उद्धव में स्वदेशी की भावना होती तो वह एनाकोंडा की बजाय हमारे पौराणिक नागों का नाम लेते जैसे कि वासुकी, शेषनाग, तक्षक व कालिया! लक्ष्मण व बलराम को शेषनाग का अवतार माना जाता है. द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने अपने सखा उद्धव को बदरीनाथ जाने का आदेश दे दिया था. अब भी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी चाहें तो उद्धव ठाकरे को चारधाम यात्रा पर आमंत्रित कर बदरीनाथ भिजवा सकते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12110

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8				
	■	9		■	■		■
■	10				11	■	12
13			■	■	14		
15			16	17	■	■	
	■	■	18		19	20	
21			■	22			■

बाएं से दाएं

1. संगीत में स्वरों के ऊपर से नीचे आने का क्रम (सं.) 4. वह चीज जिस पर बैठा जाए, बैठने का ढंग 7. केशलता 8. जोहरी 9. नृप, नरेश 10. कमाकर लाने वाला पुत्र 13. वक्त, काल 14. गिरने न देना, ग्रहण करना, रोकना 15. पैर की धूल 18. मन को मोह लेने वाली 21. हाथ से सूत कातने का एक यंत्र 22. कार्य, भाग्य, कृपा

ऊपर से नीचे

1. पृथक, जुदा, भिन्न 2. बरगद 3. हर किसी से अनुचित प्रेम संबंध स्थापित करने वाला, व्यभिचारिणी (उर्दू) 4.अस्तित्व, होशहवास 5. सिंह (सं.) 6. जिसके नाखून बड़े-बड़े हो, नख नामक गंधद्रव्य (सं.) 9. वह ग्रंथ जिसमें राम के चरित्रों का वर्णन हो 10. कटि (उर्दू) 11. और, व 12. टालमटोल 13. वास्तव में, वस्तुत:, अवश्य 16. एक प्रकार की विदेशी मदिरा (अं) 17. जन्मदाता 19. मयूर 20. बर्फ, पाला

Solution 12109

ह	र	जा	ना	■	स	गु	ण
म	द	न	■	वे	द	ना	■
ला	■	दा	सं	ता	■	ह	म
■	ति	र	पा	ल	■	गा	दी
खा	रा	■	ट	■	झ	र	ना
न	हा	ना	■	मा	ल	■	■
दा	■	का	पा	लि	क	■	पा
न	र	म	■	क	ना	ग	त

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में साझेदारी में विवाद एवं व्यवसाय में हानि होगी. वाणी में कठोरता तथा क्रोध में वृद्धि होगी. व्यय और संतान की चिन्ता से मन विचलित रहेगा. वर्ष के मध्य में राज्य सम्मान मिलेगा. सामाजिक तनाव बना रहेगा. वर्ष के अन्त में शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा. अध्ययन में मन लगेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को राज्य से सम्मान मिलेगा. प्रभाव में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को साझेदारी में विवाद एवं व्यवसाय में नुकसान होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को व्यय और संतान की चिन्ता रहेगी. मन विचलित रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख मिलेगा. क्रोध की अधिकता रह सकती है. सिंह राशि के व्यक्तियों का ध्यान रखना हितकर रहेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, सुशील, होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त करेगा. इनकी विचार धारा स्वतंत्र रहेगी, माता पिता को सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

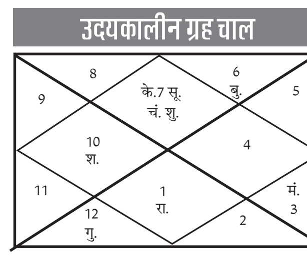

पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2082 पौष कृष्ण एकादशी चन्द्रवासरे रात 10/23, चित्रा नक्षत्रे दिन 12/56, शोभन योगे दिन 2/49, वव करणे सू.उ. 6/47, सू.अ. 5/13, चन्द्रचार तुला, पर्व- सफ्ला एकादशी व्रत, शु.रा. 7,9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12,3,4,6 शुभांक- 9,2,6.

मेष- कानूनी मामले के कार्यों में सावधानी से निर्णय करें, शत्रु वर्ग पराजित होगा. प्रियजनों के कारण भावनात्मक कष्ट होगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

वृषभ- कार्यक्षेत्र में भाग्य साथ देगा. किसी आवश्यक कार्य हेतु यात्रा होगी. शिक्षा से संबंधित कामकाज बनेंगे. संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

मिथुन- धार्मिक कार्य पूजा पाठ में मन लगेगा, सामाजिक कार्य या किसी उत्सव में भाग लेंगे, कोर्ट कचहरी आदि के मामले में निर्णय आपके पक्ष में रहेगा.

कर्क- व्यापार व्यवसाय के क्षेत्र में सफ्लता के आसार हैं, पुरानी समस्या हल होने का योग है. पुरूषार्थ के कार्यो में अच्छी सफ्लता मिलेगी. मित्र मिलन होगा.

सिंह- दोस्तों के माध्यम से पुराने विवादों का हल होगा. धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी. आर्थिक समस्या का समाधान होगा. कुटुम्बियों का सुख रहेगा.

कन्या- अप्रत्याशित घटनायें होंगी. काम में मन नहीं लगेगा. दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी. दिनचर्या अनुकूल रहेगी. चिन्ता दूर होगी. खानपान पर संयम रखें.

तुला- किसी भूले बिसरे साथी से मुलाकात होगी. कामकाज में शिथिलता रहेगी. खर्च पर नियंत्रण रखें हितकर रहेगा. अतिथि आगमन होगा.

वृश्चिक- विरोधियों से कड़े मुकाबले की आशंका है, सत्संग का लाभ होगा. नवीन योजनाओं का विस्तार होगा. आय से खर्च अधिक होगा.

धनु- छोटी मोटी जरूरतों पर धन व्यय होगा. मनोरंजक यात्रा का योग है. उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी. प्रगतिवर्धक समाचार मिलेंगे. स्थान परिवर्तन का योग है.

मकर- व्यापार के क्षेत्र में नये अवसर प्राप्त होंगे. कामकाज में मन लगेगा. संतानपक्ष से सहयोग मिलेगा. प्रियजनों से भावनात्मक पीड़ा होगी.

कुम्भ- मेहनत करने से ही सफ्लता के आसार हैं. भाग्य आपका साथ देगा. पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. मानसिक सुख संतोष रहेगा.

मीन- स्वास्थ्य का विशेष तौर पर ध्यान रखें. अस्वस्थ्यता एवं आलस्य का अनुभव होगा. योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें. सफ्लता अवश्य प्राप्त होगी.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण एकादशी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, पीतल, लोहा, शेयर खली, बिनौला, जीरा, धनियां, लालमिर्च, हल्दी, मैथी, के भाव में तेजी होगी. गुड़ खांड़ में नरमी रहेगी. भाग्यांक 3715 है.

SUDOKU 7242

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकु 7241

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9